

मसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 🏻 लाव्ह 3 उपलब्द (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 170]

ंनई विल्ली, बृहस्पतिबार, धप्रैल 21, 1977 बैशास 1, 1889

No. 170]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 21, 1977/VAISAKHA 1, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा का सर्व । Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April 1977

S.O. 296(E) —The following Order made by the Vice-President acting as President is hereby published for general information—

ORDER

WHEREAS I, Basappa Danappa Jatti, Vice-President acting as President of India. am satisfied that a situation has arisen in which the administration of the Union territory of Delhi, cannot be carried on in accordance with the provisions of the Delhi Administration Act, 1966 (19 of 1966) (hereinafter referred to as "the Act"), and that for the proper administration of that Union territory, it is necessary and expedient so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 31 of the Act and of all other powers enabling me in that behalf, I hereby—

(a) suspend, for a period of three months from the date of this Order, the operation of the following provisions of the Act, namely—

section 11;

in section 12, sub-sections (1), (3) and (4), clauses (b) and (c) of sub-section (2) and the first provise to that sub-section, and so much of sub-section (5) as relates to the salaries and allowances of the Deputy Chairman;

sections 13 to 17 (both inclusive), sections 20 to 25 (both inclusive), section 27 and section 28;

- in section 29, sub-section (1), and the following provision, namely, "whether taken in his discretion or otherwise" in sub-section (2),
- so much of section 30 as relates to the members of the Executive Council;
- (b) direct that the Chief Executive Councillor and other Executive Councillors appointed under sub-section (1) of section 28 of the Act shall cease to hold office as such

New Delhi, the 21st April, 1977 (Sd.) B. D. JATTI, Vice-President acting as President.

[No. U-11013/1/77-UTL]
K R. PRABHU, Addl Secy.

नृह मंत्रालय प्रक्षिसूचना

नई दिल्ली, 21 ग्रप्रैल, 1977

का॰ घा॰ 296 (घ॰).—राष्ट्रपति के रूप मे कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्नलिखित श्रादेश सर्वेसाधरण की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है ---

द्यादेश

रेरा, श्रयीन्, भारत के राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति बसल्पा दानल्पा जसी का, यह समाधान हो गया है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिममें दिल्तो सुध राज्य क्षेत्र का प्रशासन, दिल्ली प्रशासन श्रधिनियम. 1966 (1966 का 19) (जिसे इपमें इसके पश्चात् "श्रधि-नियम" कहा गया है) के उपबन्धों के अनुमार नही चनाया जा सकता, श्रीर उ≠न सुश्च राज्यक्षेत्र के समुचित प्रशासन के लिये ऐसा करना श्रायण्यक श्रीर समीचीन है,

त्रत, ग्रंब, श्रधिनियम की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा मुझे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी श्रन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुये, मैं इस श्रादेश द्वारा ——

> (क) प्रधिनियम के निम्नलिखित उपबन्धों का प्रवर्तन इस आदेश की तारीख में तीन मास की अविधि के लिये निलिम्बित करता हूं प्रथीत् ---

धारा 11;

- धारा 12 में उपधारा (1), उपधारा (3) ग्रौर उपधारा (4), इपधारा (2) के खण्ड (ख) ग्रौर (ग) तथा उस उपधारा का प्रथम परन्तुक, ग्रौर उपधारा (5) का उतना ग्रण जिसका सबंघ उप-समापति के सम्बलमीं ग्रौर भन्तीं से हैं,
- धारा 13 से 17 तक (इन दोनों को भी सम्मिलित करते हुये), धारा 20 से 25 तक (इन दोनों को भी सम्मिलित करते हुये), धारा 27 और धारा 28;
- धारा 29 मे, उपधारा (1) और उपधारा (2) में का निम्नलिखित उपबन्ध अर्थात् "बाहे वह उसके स्वविवेक मे को जाए या अन्यया";

धारा 30 का उतना ग्रंश जिसका संबंध कार्यपालिका के सबस्यों से हूँ ; ग्रीर

(ख) निदेश करता हूँ कि प्रधिनियम की धारा 28 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किये गये मुख्य कार्यकारी पार्षद श्रीर श्रन्य कार्यकारी पार्षद उस रूप में पदों पर नहीं रहेंगे।

नई दिल्ली,

ह०/ब० दा० असी,

21 **म**प्रैल 1977

राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति ।

(स॰ यू-11013/1/77-यू॰ टी॰ एल॰) [के॰ झार॰ प्रभु, झपर सचिव ।